विश्व विद्यालय अब निश्चित हो सकते है

सुरक्षित परिक्षा का नियोजन और दोष रहित प्रमाण पत्रो का प्रेषण अब संभव

दो प्रमुख समस्याएँ जिनका सामना किसी भी विश्व विद्यालय को करना पडता है वो है सुरक्षित परीक्षाओ का आयोजन और दोष रहित प्रमाण पत्रो का प्रेषण. । औसतन दस मे से दो विश्व विद्यालयो को प्रमाण पत्रो के प्रकट होने के भयंकर संकट का सामना करना पडता है , परिणाम स्वरुप नियत/निश्चित परिक्षाओ के रद्ध होने, अथवा अपने प्रमाण पत्रो को अनैतिक तत्त्वो द्वारा छेडछाड होने के निन्द्य कार्य को देखना पडता है । नकल आदि परिक्षा संबंधी मुदो को अधिकतर पाया जाता है परंतु विश्व विद्यालय की नैतिकता अथवा छात्रो के विश्वास को बनाएँ रखने के लिए इन्हे प्रकट नही किया जाता है. पर क्या ऐसी समस्याओ का कोई समाधान है? कुछ हल है, , पर उनकी भी अपनी सीमाएँ है । क्या तकनीक इस स्मस्या से सदैव के लिए छुटकारा दिलाने मे प्रभावशाली रुपसे से प्रयोग मे लाई जा सकती है?

इसका उत्तर /हल प्रशन पत्रो के परीक्षा के केवल आधे घंटे पूर्व वितरण और दोष रहित प्रमाण पत्रो की उपलब्धता के कार्यांवित करने मे है । यह समग्र व्यवस्था माइण्डलोजीक्स इंफोटेक लिमिटेड द्वारा बनाई गई है; ऐसी कंपनी है जो विश्व विद्यालयो के प्रबंधन के लिए तथा शैक्षणिक संस्थानो के लिए विशेष सेवा प्रदान करती है । इस व्यवस्था की दो ईकाईयाँ है जो परीक्षा संबंधी अनाचार और प्रमाण पत्रो से छेडछाड को सुलझाएगी । पहली ईकाई अत्यंत सुरक्षित वातावरण मे आनलाइन तथा आफलाइन परीक्षाओ के आयोजन मे विश्वविद्यालय पशासन को अनुमति देती है और दूसरी ईकाई विश्वविद्यालयो द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्रो को मान्यता प्रदान करने की सेवा उपलब्ध करती है ।

परीक्षा प्रबंधन व्यवस्था कई रुपो मे अनूठी है तथा यह विशेष तकनीक का प्रयोग करता है । कंपनी ने इसे तकनीकी केंद्र के रुप मे निर्मित किया है और मैनेजड एपलिकेशन सर्विस(एम ए एस) के तौर पर अपने ग्राहको को समाधान प्रदान करती है ।

इसके पास वेब आधारित लेखन यंत्र है जिसके द्वारा प्रमाण पत्रो का विश्व के किसी भी भाग से विषय विशेषज्ञ के द्वारा बनाया जा सकता है । परिणाम स्वरुप ग्राहको को कम से कम समय मे उत्तम प्रश्न पत्रो को प्राप्त करने की सुविधा होती है । प्रमाण पत्र पूर्व निर्धारित स्थिर अथवा कंपूटिंग प्रक्रिया द्वारा साँचे के आधार पर बनाए जाते है । तथा इन्ही को परीक्षा केंद्रो को कुछ ही मिनटो मे प्रेषित कर दिया जाता है । प्रमाण पत्रो को दूर–दराज के परीक्षा केंद्रो को भेजने से पहले इन्हे कोड युक्त कर दिया जाता है । वहाँ पर इन्हे प्राधिकृत अधिकारियो द्वारा कोड मुक्त किया जाता है और हाई–स्पीड के प्रिंटर्स के द्वारा छापा जाता है । इसके अलावा, हार्डवेयर आधारित मान्याताएँ होती है जो संपूर्ण प्रक्रिया को अत्यंत सुनिश्चित और सुरक्षित कर देती है ।

प्रमाण पत्र दोनो भौतिक और यांत्रिक सुरक्षा व्यवस्था द्वारा सुनिश्चित होते है जि इनमे लगे होते है । इसके अतिरिक्त कम्पनी टी यू वी रेहिन्कैड के साथ प्रमाण पत्रो को ग्लोबल एक्सेस कोड (जी ए सी) की सहायता से मान्य कोड जो कि हर प्रमाण पत्र कि लिए निर्धारित है, प्रदान करने मे संबंद्ध है । विवरण टी यू वी ग्रुप के ग्लोबल डाटाबेस मे सुरक्षित है और जो कोई भी प्रमाण पत्रो की तथा छात्रो की सत्यता की जाँच करना चाहता है, उसके लिए उपलब्ध है । टी यू वी इसी प्रकार विश्व व्यापी निर्माताओ को धोखे की पहचान और माल के बहुरुपता की जाँच करने मे विशेष सेवाएँ उपलब्ध करती है । यह पहली बार है जब ये ऐसी सेवाएँ शैक्षिणिक क्षेत्र को उपलब्ध कर रहे है और वह भी प्रमाण पत्रो के लिए. वे सामन्यतः प्रामाणिकता का प्रमाण पत्र जारी करते है, परंतु इस मामले मे वे प्रमाण पत्रो को मान्यता देते है ।

श्री गौरव जुल्का , क्षेत्रीय प्रबंधन , ज्ञान संसाधन केंद्र , ऐसा विभाग जो कि ज्ञान प्रक्रिया और संश्लेषन के लिए उत्तरदायी है , का कहना हैए कि,"माइण्डलोजीक्स ने इस प्रकार के कई उत्पादो और सेवाओ को कई वर्षो से शिक्षा के क्षेत्र मे उपलब्ध किया है और नई शिक्षा प्रेषण व्यव्स्था के नए युग का यह आरंभ है जो जल्द ही प्रचलन मे होगा.'